पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Established: 2004

'B++' AcCredit-ed by NAAC (2022) with CGPA 2.96

New Syllabus For

Master of Arts (M. A. in Hindi)

UNDER

Faculty of Humanities

M. A. Part – I (Sem. – I & II)

From 2023-24

STRUCTURE AND SYLLABUS IN ACCORDANCE WITH

NATIONAL EDUCATIO POLICY – 2020

HAVING CHOICE BASED CREDIT- SYSTEM

WITH MULTIPLE ENTRY AND MULTIPLE EXIT OPTIONS

(TO BE IMPLEMENTED FORM ACADEMIC YEAR 2023-24 ONWARDS)

M. A. – I Year Hindi Semester – I

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी सत्र- प्रथम

(Choice Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

New Education Policy – 2020

नई शिक्षा नीति – 2020

शै. वर्ष 2023-24 से

Level	Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			Credit-	Lecture	Total Com. Credits	Degree
				Theory		Total				
				U.A.	C.A.					
	First (I)									
	Subject		Major **Mandatory**							
	DSC	1	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (230104101)	60	40	100	4.00	60		
	DSC	2	भाषा विज्ञान (230104102)	60	40	100	4.00	60		
	DSC	3	प्रयोजन मूलक हिंदी (230104103)	60	40	100	4.00	60		
	DSC	4	जनसंचार माध्यम (230104104)	30	20	50	2.00	30		
6.0	DSE		Mandatory Elective (Any One)						22.00	PG Diploma (After 3 Yr Degree)
		1.1	अनुवाद : प्रविधिऔर प्रक्रिया (230104106)	60	40	100	4.00	60		
		1.2	पत्रकारिता (230104107)	60	40					
		1.3	साहित्यऔर सिनेमा (230104108)	60	40					
		1.4	कबीर (230104109)	60	40					
	RM(Research Mythology)	1.0	अनुसंधान : प्रविधिऔर प्रक्रिया (230104105)	60	40	100	4.00	60		

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - I** **Vertical :** DSC - 1 **Course Code:** (230104101) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना /Introduction:-

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इसका साक्षी है कि प्रौढ़ मन मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़, शक्तिशाली प्रतिरूप उसकी व्यक्ति एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य व्यापक बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन के विकास के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objective

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कराना।
3. छात्रों में हिंदी गद्य विधा के प्रति रूचि पैदा कराना।
4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से रूबरू कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्र परिचित होंगे।
2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन करेंगे।
3. छात्रो में हिंदी गद्य विधा के प्रति रूचि पैदा होगी।
4. छात्र तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचितहोंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक्-श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

पाठयपुस्तकें:-

1. **कहानी सरोवर(कहानी संग्रह) - सम्पादक, शीला टी. नायर**
   लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, प्रयागराज – 211001
2. **प्रत्यंचा (उपन्यास)– संजीव**
   वाणी प्रकाशन, 4695, 21 – ए, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई –I Credit- 1 Lectures 15

1.कहानी विधा: परिभाषा एवं स्वरूप **Marks - 15**

2.कहानी के तत्व

3.सद्गति- प्रेमचंद

4.शरणागत – जयशंकर प्रसाद

5.सहज और शुभ – मार्कंडेय

6.डोमिन काकी –चित्रा मुद्गल

इकाई – II Credit- 1 Lectures 15

7.पाँचवा बेटा – नासिरा शर्मा **Marks - 15**

8.माँ रसोई में रहती है- कुमार अम्बुज

9.अमरुद का पेड़ – ज्ञानरंजन

10 सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई –III Credit- 1 Lectures 15

1.संजीव: जीवन प्रस्तावना **Marks - 15**

2.संजीव: साहित्य प्रस्तावना

3.हिंदी के जीवनीपरक उपन्यास

4.उपन्यासकार संजीव एवं 'प्रत्यंचा' उपन्यास

5.उपन्यास की कथावस्तु

6.उपन्यास के पात्र तथा चरित्र चित्रण

7.देशकालऔरवातावरण

इकाई – IV Credit- 1 Lectures 15

8.उपन्यास के संवाद **Marks - 15**

9.उपन्यास का देशकाल तथा वातावरण

10.उपन्यास की भाषा-शैली

11.उपन्यास का उद्देश्य एवं शीर्षक की सार्थकता

12.जीवनीपरक उपन्यास के परिप्रेक्ष्य में 'प्रत्यंचा'

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी कहानी का इतिहास – डॉ. गोपाल राय(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति – डॉ. देवीशंकर अवस्थी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. हिंदी कहानी: परंपरा और प्रगति – डॉ. हरदयाल (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
4. उपन्यास स्थिति और गति – डॉ.चंद्रकात बांदिवडेकर
5. आज का हिंदी उपन्यास- इंद्रनाथ मदान
6. समकालीन हिंदी उपन्यास – डॉ. विवेकी राय
7. कथाकार संजीव-डॉ. गिरीश काशिद
8. www.hindibhag.com
9. www.bhartiyashahitya.com
10. www.hindisahitya.com
11. theenotes.com

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1 बहुविकल्पीय 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (कहानीपर तीन, उपन्यासपर तीन)	12 अंक
प्रश्न 3 टिप्पणियाँ (4 में से 2) (कहानीपर दो, उपन्यासपर दो)	12 अंक
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ (कहानीपर)	12 अंक
प्रश्न 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (उपन्यास पर)	12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - I** **Vertical :** DSC - 2 **Course Code:** (230104102) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** भाषाविज्ञान	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction

भाषा मनुष्य को प्राप्त सबसे बड़ी देन है। भाषा के कारण ही मनुष्य अन्य प्राणियों से अलग अस्तित्व रखता है। भाषा की अपनी विशिष्ट रचना होती है। जिसमें हर स्वन से लेकर वाक्य तक और उस वाक्य के अर्थ तक एकसूत्रता होती है। अर्थात् यहएक शास्त्र होता है। उसमें वैज्ञानिकता होती है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में भाषा की उत्पत्ति, उसकी वैज्ञानिकता से लेकर स्वन, रूप, वाक्य एवं अर्थ तक की संरचना का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. भाषा और भाषा विज्ञान के संदर्भ में जानकारी देना।
2. स्वन,रूप विज्ञान से परिचित कराना ।
3. वाक्य निर्मिति प्रक्रिया से अवगत कराना ।
4. अर्थ विज्ञान को समझाना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. भाषा और भाषा विज्ञान के संदर्भ में जानकारी प्राप्त होगी।
2. स्वन एवं रूप विज्ञान से प्रस्तावनाहोगा।
3. वाक्य की निर्मिति प्रक्रिया जान सकेंगे।
4. अर्थ विज्ञान को समझ सकेंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. भाषा लैब में प्रात्यक्षिक

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई– I भाषा विज्ञान **Credit--1 Lecture 15**

1.भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा-व्यवस्था औरभाषा-व्यवहार **Marks - 15**

2.भाषा विज्ञान: परिभाषा, स्वरूप एवं व्याप्ति

3.अध्ययन की दिशाएँ- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

4.स्वन-विज्ञान, स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, स्वन की परिभाषा, स्वर एवं व्यंजनो का वर्गीकरण(स्वनों का वर्गीकरण)

इकाई– II रूप विज्ञान **Credit--1 Lecture 15**

1. रूप विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, शब्द और पद **Marks - 15**

2. रूपिम की अवधारणा एवं उसकी विशेषताएँ

3. रूपिम के भेद (अ) संरचना की दृष्टि से- मुक्त, आबध्द, संपृक्त

(आ) अर्थ की दृष्टि से- अर्थदर्शी और संबंधदर्शी

इकाई– III वाक्य विज्ञान **Credit--1 Lecture 15**

1. वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप **Marks - 15**

2.वाक्य रचना के आधार -चयन, पदक्रम, अध्याहार

3. वाक्य के भेद

इकाई – IV अर्थ विज्ञान **Credit--1 Lecture 15**

1. अर्थ विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप **Marks - 15**

2. अर्थबोध (संकेत ग्रह) के साधन-भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के मतानुसार

3. अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

4. अर्थ परिवर्तन के कारण

संदर्भ ग्रंथ:-

1. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

2. भाषा विज्ञान - डॉ. नेमीचंद श्रीमाल, श्रुति प्रकाशन, कानपुर

3. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत -डॉ रामकिशोर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. अद्यतन भाषा विज्ञान- डॉ शशिभूषण पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. भाषा विज्ञान - डॉ.अंबादास देशमुख, आरती प्रकाशन, औरंगाबाद

6. भाषा विज्ञान परिभाषा कोश, शब्दावली आयोग, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1 बहुविकल्पीय 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 2 चार-पाँच वाक्यों में उत्तर (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 3 टिप्पणियाँ (6 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - I** **Vertical :** DSC - 3 **Course Code:** (230104103) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** प्रयोजन मूलक हिंदी	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction:-

प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थात कामकाजी हिंदी जिसे व्यावहारिक हिंदी भी कहते हैं। इसकाउपयोग सरकारीकार्यालयों में कामकाज के लिए होता है। भारत में राजभाषा के रूप में हिंदी भाषा को स्थान दिया गया है।जिसके अंतर्गत केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदीभाषामेंकामकाज करने का प्रावधान है। अतः मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा को समझते हुए राजभाषा की संविधानिक स्थिति तथा कामकाजी हिंदी एवं उसके लिए प्रयुक्त पारिभाषिक स्थिति का अध्ययन करनाआवश्यकहै।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य/ Course Objective

1. छात्रों को कामकाजी हिंदी से परिचित कराना।
2. छात्रों को भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।
3. छात्रों को राजभाषा की संविधानिक स्थिति से अवगत कराना।
4. छात्रों को केंद्र एवं राज्य सरकार के कार्यालयों में प्रयुक्त हिंदी से अवगत कराना।
5. छात्रों को पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र कामकाजी हिंदी से परिचित होंगे ।
2. छात्र हिंदी भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे।
3. छात्र राजभाषा की संविधानिक स्थिति से परिचित होंगे।
4. छात्र केंद्र एवं राज्य सरकार के कार्यालयों में प्रयुक्त हिंदी से अवगत होंगे ।
5. छात्र पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होंगे ।

शिक्षाअधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई – I.प्रयोजन मूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रविधि **Credit- – I Lecture** 15

Marks - 15

1) प्रयोजन मूलक हिंदी : स्वरुप एवं व्याख्या
2) प्रयोजन मूलक हिंदी की आवश्यकता
3) प्रयोजन मूलक हिंदी की विशेषताएँ
4) प्रयोजन मूलक हिंदी के विविध रुप

इकाई - II राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान **Credit- – I Lecture** 15

Marks - 15

1) राजभाषा अधिनियम(अनुच्छेद 343 से 351 तक)
2) राष्ट्रपति के आदेश(1952,1955,1960)
3) राजभाषा अधिनियम 1963 (यथासंशोधित) 1967
4) राजभाषा संकल्प(1968) यथानुमोदित (1991)
5) राजभाषा नियम1976 , द्विभाषा नीति और त्रिभाषा सूत्र
6) हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्र में हिंदी की स्थिति
7) अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हिंदी
8) हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका

इकाई –III प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग क्षेत्र **Credit- – I Lecture** 15

Marks - 15

1. प्रयोजन मूलक हिंदी का प्रयोग क्षेत्र
2. प्रयोजन मूलक हिंदी का शैक्षिक संदर्भ : उद्देश्य और सीमा
3. प्रयोजन मूलक हिंदी : सीमा और संभावनाएँ
4. प्रयोजन मूलक हिंदी बनाम व्यावहारिक हिंदी

इकाई – IV पारिभाषिक शब्दावली **Credit- – I Lecture** 15

Marks - 15

1. परिभाषा
2. पारिभाषिक शब्द के रुप / प्रकार
3. पारिभाषिक शब्दावली के अपेक्षित गुण तथा शब्द निर्माण की प्रवृत्तियाँ
4. पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएँ
5. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली के निर्माण सिद्धांत

संदर्भग्रंथ:-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी –सं. डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. दंगलझाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पांडे, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कार्यालयीन कार्यबोध – हरिबाबू बंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रशासनिकएवं कार्यालयी हिंदी - डॉ. राम प्रकाश एवं डॉ. दिनेशकुमार त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली
7. प्रारुपण, टिप्पण, प्रूफ पठन – डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक
प्रश्न – 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न – 3. टिप्पणियाँ(पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न – 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ	12 अंक
प्रश्न – 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - I** **Vertical :** DSC - 4 **Course Code:** (230104104) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** **जनसंचार माध्यम**	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 30 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 30 Marks **CA:-** 20 Marks

प्रस्तावना / Introduction:-

आज के युग में मनुष्य सूचनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए संचार माध्यमों का उपयोग कर रहा है। जिस के कारण एक व्यक्ति घर में बैठे-बैठे पूरी दुनिया के विचार जान सकता है और अपने विचार दुनियाभर में पहुंचा सकता है। इस के पीछे महत्त्वपूर्ण कार्य आधुनिक संचार माध्यमों का है जिन्होंने संचार को व्यापकता प्रदान की है। समाचारपत्र से लेकर रेडियो, टीवी, इंटरनेट और सिनेमा जैसे कई माध्यम सूचनाओं, विचारों का बड़े प्रभाविता ढंग से पहुंचा रहे हैं। इसलिए यह क्षेत्र बेरोजगारों को बड़े पैमाने पर अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। कई सारे रोजगार के अवसर इस क्षेत्र में निर्माण हुए हैं। यह पाठ्यक्रम संचार माध्यम और मीडिया लेखनको ध्यान में रखते हुए अध्यनार्थ रखा गया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective:-

1. जनसंचार अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और प्रक्रिया का प्रस्तावना देना।
2. जनसंचार की विशेषताएं, उपयोगिता एवं राष्ट्र विकास में योगदान से अवगत करना।
3. जनसंचार की भाषा से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes:-

1. जनसंचार -अर्थ,परिभाषा, स्वरूप और प्रक्रिया से परिचित होंगे।
2. जनसंचार की विशेषताएं, उपयोगिता एवं राष्ट्र विकास में योगदान से अवगत होंगे।
3. जनसंचार की भाषा से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process:-

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई -I **Credit- – I Lecture 15**

1. जनसंचार- अर्थ, स्वरुप और परिभाषा **Marks - 15**
2. जनसंचार की विशेषताएँ
3. जनसंचार माध्यमों की उपयोगिता
4. राष्ट्रीय विकास में जनसंचार की भूमिका और संभावनाएँ

इकाई -II **Credit- – I Lecture 15**

1. जनसंचार भाषा का स्वरूप **Marks - 15**
2. जनसंचार भाषा की विशेषताएं
3. जनसंचार माध्यमों की भाषा

I. समाचारपत्र

II. रेडियो

III.सिनेमा

IV.टेलीविजन

V.इंटरनेट

VI.मोबाईल

संदर्भ ग्रंथ:-

1. जनसंचार माध्यम - गौरीशंकर रैना
2. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया – मधुकर लेले
3. जनसंचार सिध्दांत और अनुप्रयोग – विष्णुराज गढिया
4. समाचारपत्र प्रबंधन – गुलाब कोठारी
5. रचनात्मक लेखन – रमेश गौतम (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1 बहुविकल्पीय 06 प्रश्न	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (३ में से 2)	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक
प्रश्न 3 टिप्पणियाँ (३ में से 2)	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक
प्रश्न 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - I** **Vertical :** DSE – 1.1 **Course Code:** (230104106) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** अनुवाद – प्रविधि और प्रक्रिया	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction:-

विश्व के विचारों को एक धागे में पिरोने का कार्य अनुवाद ने किया है। दुनिया के एक कोने का ज्ञान दूसरे कोने तक पहुँचा ने का कार्य अनुवाद के कारण हुआ है। इसलिए अनुवाद का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। विश्व में कोई भी विचार या तकनिकी की आवश्यकता निर्माण हो जाती है तो वह व्यक्ति उसको अन्य भाषिकों तक अनुवाद के माध्यम से पहुंचाता है। इसलिए अनुवाद के क्षेत्र विस्तार को देखते हुए उसमें रोजगार की संभावनाएँ कई गुना बढ़ गई है। इसलिए अनुवाद के विषय में छात्रों को जानना आवश्यक हो गया है। इसे केंद्र में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को निर्धारित किया है|

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective:-

1. छात्रोंको अनुवाद के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित कराना।
2. छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में किये जानेवाले अनुवाद की जानकारी प्राप्त कराना।
3. छात्रों को अनुवाद की सामाजिक उपादेयता की जानकारी देना।
4. छात्रों को अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीख के परिणाम / Course Learning Outcomes:-

1. छात्र अनुवाद के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित होंगे।
2. छात्र विभिन्न क्षेत्रों में किये जानेवाले अनुवाद से अवगत होंगे।
3. छात्र अनुवाद की सामाजिक उपादेयता से अवगत होंगे।
4. छात्र अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process:-

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्यनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई- I Credit--1 Lecture 15

1. अनुवाद :अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप **Marks - 15**
2. अनुवाद की पाश्चात्य परंपरा
3. अनुवाद की भारतीय परंपरा
4. अनुवाद का महत्त्व

इकाई- II Credit--1 Lecture 15

1. अनुवादः प्रक्रिया **Marks - 15**
2. अनुवादः प्रकार
3. अनुवादः सीमाएँ

इकाई- III Credit--1 Lecture 15

1. अनुवाद में स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना **Marks - 15**
2. अनुवाद विज्ञान है, कला है अथवा शिल्प है
3. अनुवादःसामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ
4. अनुवाद में लोकोक्तियाँ और मुहावरे

इकाई- IV Credit--1 Lecture 15

1. अनुवाद की सामाजिक उपादेयता **Marks - 15**
2. अनुवाद और सामाजिक आदान-प्रदान
3. अनुवाद में रोजगार के अवसर

संदर्भग्रंथ

1. अनुवादःसिद्धांत और प्रयोग- जी. गोपिनाथन, लोकभारती प्रकाशन, नईदिल्ली
2. अनुवाद के भाषिक पक्ष- विभागुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा-डॉ.सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
4. अनुवाद विज्ञान की भूमिका-कृष्णकुमा रगोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली.
5. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ- डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
6. अनुवाद: अवधारणा एवं विमर्श-डॉ.श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. अनुवाद अनुसृजन-सं. ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली
8. अनुवाद एवं संचार-डॉ. पूरनचंद टंडन, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
9. व्यावहारिक अनुवाद-डॉ.अय्यर विश्वनाथ, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
10. अनुवाद का समाजशास्त्र-डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन, नई दिल्ली
11. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका-कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1 बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 2 लघुत्तरीप्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 3 टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - I** **Vertical :** DSE – 1.2 **Course Code:** (230104107) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** पत्रकारिता	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना /Introduction:-

पत्रकारिता को गणतंत्र के चतुर्थ स्तंभ के रूप में जाना जाता है। गणतंत्र को सुचारू और जनाभिमुख बनाने का कार्य पत्रकारिता करती है। इस पाठ्यक्रम में पत्रकारिता के विभिन्न अंगों पर चर्चा की जाएगी। जिसमें उसका स्वरूप एवं महत्त्व के साथ-साथ पत्रकारिता के तत्वों एवं उसकी भाषा का अध्ययन किया जायगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objective

1) पत्रकारिता का स्वरूप, प्रकार और महत्त्व को समझाना।
2) पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
3) पत्रकारिता के मूल तत्त्वों से अवगत कराना।
4) पत्रकारिता की भाषा से परिचित होना।
5) संवाददाता की अर्हता एवं कार्यप्रणाली से अवगत होना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. पत्रकारिता के स्वरूप, प्रकार और महत्व से छात्र परिचित होंगे।
2. पत्रकारिता के उद्भव और विकास से अवगत होंगे।
3. पत्रकारिता के मूल तत्त्वों से परिचित होंगे।
4. पत्रकारिता की भाषा से परिचित होंगे।
5. संवाददाता की अर्हता एवं कार्यप्रणाली से अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. समूह चर्चा

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई –I पत्रकारिता स्वरूप और विकास Credit--1 Lecture 15

Marks - 15

1. पत्रकारिता परिभाषा ,स्वरुप और प्रकार
2. भारत में पत्रकारिता का आरंभ
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

इकाई –II संवाददाता और समाचार Credit--1 Lecture 15

Marks - 15

1. संवाददाता की अर्हता
2. श्रेणी और कार्य पध्दति
3. समाचार के विविध स्त्रोत

इकाई – III समाचार के तत्त्व एवं संपादन कला Credit--1 Lecture 15

Marks - 15

1. समाचारपत्र कारिता के मूल तत्त्व, समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम ।
2. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत, शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुत प्रक्रिया।

इकाई – IV पत्रकारिता: सृजनात्मक आयाम Credit--1 Lecture 15

Marks - 15

1. पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय,फीचर,रिपोर्ताज,खोजी समाचार,साक्षात्कार और अनुवर्तन की प्रविधि
2. समाचापत्रों के विभिन्न स्तंभो की योजना ।

संदर्भ ग्रंथ -

1. पत्रकारिता के नए आयाम -एस .के. पाठक, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता संवाद और विमर्श- कैलाशनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पत्रकारिता का विकास – एन.सी.पी. पंत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता – मीरा रानी पाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)		12 अंक
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(2 में से 1)	12 अंक
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)		12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - I** **Vertical :** DSE – 1.3 **Course Code:** (230104108) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** साहित्य और सिनमा	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction:-

साहित्य और सिनेमा का गहरा संबंध है। इसका कारण दोनों का संबंध जनता से है। सिनेमा अन्य कलाओं की तुलना में आधुनिक कला है। नवीन होकर भी यह अत्यंत प्रभावशाली जनधर्मी कला है। इस दृष्टिसे सिनेमा का समाज से वही रिश्ता होता है। सिनेमा अन्य कलाओं की तरह मनोरंजन प्रधान होने के साथ-साथ जनसंचार एवं जनशिक्षा का प्रभावशाली माध्यम रहा है। चलचित्रों से आरंभ हुई सिनेमा की विकास यात्रा आज भी अनवरत जारी है। सिनेमा के विकास में साहित्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। अनेक साहित्यिक रचनाओं ने सिनेमा के लिए कथातत्त्व दिया है। अतः साहित्य एवं सिनेमा के अंतः संबंधों को समझते हुए फिल्मांतरण हुए हिंदी साहित्य का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी सिनेमा के स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना।
3. सिनेमा की निर्मिति प्रक्रिया से परिचित कराना।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcornes

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्र परिचित होंगे।
2. हिंदी सिनेमा के स्वरूप को समझेंगे।
3. सिनेमा की निर्मिति प्रक्रिया से परिचित होंगे।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई - I सिनेमा का स्वरूप Credit--1 Lecture 15

1. सिनेमा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप **Marks - 15**
2. सिनेमा के प्रकार
3. सिनेमा और साहित्य का अंत: संबंध
4. सिनेमा निर्माण की प्रक्रिया

इकाई –II सिनेमा का विकासात्मक प्रस्तावना Credit--1 Lecture 15

1. आरंभिक सिनेमा **Marks - 15**
2. आजादी के बाद का सिनेमा
3. भूमंडलीकरण के दौर का सिनेमा
4. इक्कीसवीं शताब्दी का सिनेमा

इकाई – III साहित्य और सिनेमा Credit--1 Lecture 15

1. प्रातिनिधिक हिंदी कहानियों पर बनी फिल्मों का संक्षिप्त प्रस्तावना **Marks - 15**
2. प्रातिनिधिक हिंदी उपन्यासों पर बनी फिल्मों का संक्षिप्त प्रस्तावना
3. प्रातिनिधिक हिंदी नाटकों पर बनी फिल्मों का संक्षिप्त प्रस्तावना

इकाई – IV साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का मूल्यांकन Credit--1 Lecture 15

1. तलाश (कमलेश्वर) – तलाश – निर्देशक –शिवेंद्र सिन्हा **Marks - 15**
2. सारा आकाश (राजेंद्र यादव और मन्नू भंडारी) – सारा आकाश (1969) निर्देशक- बासु चटर्जी
3. तमस (भीष्म साहनी) – तमस (1986) निर्देशक – गोविन्द निहलानी

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी सिनेमा का सफर - अनिल भार्गव
2. साहित्य, सिनेमा और समाज – पुरान भार्गव
3. भारतीय सिनेमा का सफरनामा- संपा. जयसिंह
4. भारतीय सिनेमा: एक अनंत यात्रा – प्रसून सिन्हा
5. सिनेमा पढ़ने के तरीके - विष्णु खरे
6. हिंदी साहित्य और सिनेमा - डॉ. विवेक दुबे
7. सिनेमा और साहित्य-हरीश कुमार
8. सिनेमा: कल-आज-कल - विनोद भारद्वाज
9. साहित्य और सिनेमा: बदलते परिदृश्य में संभावनाएँ - डॉ. शैलजा भारद्वाज
10. सिनेमा और फिल्मांतरीत हिंदी साहित्य - डॉ. गोकुळ क्षीरसागर
11. फिल्म निर्देशन - कुलदीप सिन्हा
12. हिंदी सिनेमा का जादुई सफर-प्रताप सिंह
13. हिंदी सिनेमा के सौ बरस -डॉ.चंद्रकांत मिसाळ

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 16प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)		12 अंक
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(6में से 4)	12 अंक
प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(2 में से 1)	12 अंक
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)		12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - I** **Vertical :** DSE – 1.4 **Course Code:** (230104109) **Course Name:** Hindi **Title of Paper: कबीर**	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction

साहित्यकार युग से प्रभावित होता है और अपने युग को प्रभावित भी करता है। भक्ति आंदोलन समय की कोख से निकला भक्ति का अविरत स्त्रोत है। वर्तमान में भी वह प्रासंगिकता है। कबीर भक्ति आंदोलन से उपजे विद्रोही व्यक्तित्व है, जिन्होंने समाज को हमेशा विकास का रास्ता दिखाया है। उन्होंनेरुढी- प्रथा,पाखंड, अंधविश्वास का विरोध करते है । ईश्वर की साधना का नया मार्ग उन्होंने अपने समय के समाज को दिखाया। प्रस्तुत दोहे एवं पदो के माध्यम से इसी का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य /Course objective

1. कबीर के विचारों से अवगत कराना।
2. कबीर के दोहों की प्रासंगिकता से परिचित कराना।
3. कबीर के पदों को समझाना।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझाना।
5. कबीर के मानवतावादी विचारों को समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम / Course Learning Outcomes

1. कबीर के विचारों से अवगत होंगे ।
2. कबीर के दोहों की प्रासंगिकता से परिचित होंगे ।
3. कबीर के पदों को समझ पाएंगे ।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझेंगे ।
5. कबीर के मानवतावादी विचारों से अवगतहोंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

पाठ्यपुस्तक:

1. कबीर – हाजरिप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सन-200८.

अध्यनार्थ विषय - **Weightage / बल**

इकाई - I Credit--1 Lecture 15

1. संत काव्य परंपरा और कबीर **Marks - 15**
2. कबीर का व्यक्तित्व
3. संत काव्य की विशेषताएं
4. कबीर के निगुर्ण ईश्वर के संदर्भ में विचार
5. कबीर का रहस्यवाद

इकाई – II 10 पद Credit--1 Lecture 15

1. पद क्र 1,2,3,8,9,12,13,14,15,20, **Marks - 15**

इकाई - III 10 पद Credit--1 Lecture 15

1.पद क्र. 21,22,23,24,25,26,27,28,30,31 **Marks - 15**

इकाई -**IV 10 पद** Credit--1 Lecture 15

1.पद क्र.32,33,34,35,36,38,39,42,43,44 **Marks - 15**

संदर्भ ग्रंथ

1. कबीर –हाजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सन-200८.

2. कबीरवाणी- डॉ भागवत स्वरुप मिश्र, डॉ सरोजनी कुलश्रेष्ठ, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा

३. कबीर ग्रंथावली –डॉ शामसुन्दर दास

४. कबीरदास विविध आयाम – संपा. प्रभाकर क्षेत्रीय

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)		12 अंक
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(2 में से 1)	12 अंक
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)		12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - I** **Vertical :** RM **Course Code:** (230104105) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना /Introduction:-

मानवविकास के विभिन्न पड़ाव को जब हम देखते हैं तो यह अनुभव करते हैं कि मनुष्य अपने प्रारंभिक अवस्था से जिज्ञासु रहा है। जिसने आदिम अवस्था से आजतक विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए एक विशिष्ट मुकाम प्राप्त किया है। जीवन उपयोगी सभी भौतिक वस्तुओं का संकलन करते हुए निरंतर नये ज्ञान की प्राप्ति वह करता हुआ दिखाई देता है। इन सभी के पीछे उसकी शोधवृत्ति ही प्रमुख रही है। प्रस्तुत प्रश्नपत्र अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया के अन्तर्गत अनुसंधान प्रविधि तथा प्रक्रिया को लेकर विस्तार से अध्ययन किया जा रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objective

1. छात्रों को अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित कराना ।
2. अनुसंधान की पध्दति से परिचित कराते हुए अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।
3. साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत कराना।
4. अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्त्व एवं उसकी उपयोगिता सेछात्रों को अवगतकराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित होंगे ।
2. छात्र अनुसंधान की पध्दति को समझकर अनुसंधान करने हेतु सक्षमहोंगे।
3. छात्रसाहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत होंगे।
4. छात्रअनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्त्व एवं उसकी उपयोगिता सेअवगतहोंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्यनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई – I **Credit--1 Lecture-15**

1. अनुसंधान: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप **Marks - 15**
2. अनुसंधान का प्रयोजन
3. अनुसंधान के प्रकार (i) साहित्यिक अनुसंधान (ii)साहित्येतर अनुसंधान

इकाई-II **Credit--1 Lecture-15**

1. अनुसंधान की पध्दतियाँ (i) वर्णनात्मक (ii) ऐतिहासिक (iii) तुलनात्मक **Marks - 15**
2. अनुसंधाता के गुण
3. शोध निर्देशक के गुण

इकाई- III **Credit--1 Lecture-15**

1. अनुसंधान की प्रक्रिया: **Marks - 15**
   (i)विषय चयन (ii) सामग्री संकलन (iii)सामग्री का विश्लेषण (iv)निष्कर्ष
2. अनुसंधान और संगणक
3. शोध प्रबंध लेखन प्रणाली-:शोध प्रबंध शीर्षक, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, टंकण, वर्तनी सुधार।

इकाई -IV **Credit--1 Lecture-15**

1. अनुसंधान और आलोचना **Marks - 15**
2. अनुसंधान और कविता
3. अनुसंधान और कथा साहित्य
4. अनुसंधान और कथेतर साहित्य
5. अनुसंधान और तुलनात्मक साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुसंधान प्रविधि सिध्दांत और प्रक्रिया -
2. शोध प्रविधि- डॉ. विनयमोहनशर्मा
3. शोधप्रविधि- डॉ. हरिश्चंद्रवर्मा
4. अनुसंधानविवेचन- डॉ. उदयभानुसिंह
5. साहित्य सिध्दांत और शोध – डॉ. आनंदप्रकाशदीक्षित
6. हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा-डॉ. मनमोहनसहगल
7. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका- डॉ. सरनामसिंह
8. नवीन शोध विज्ञान- डॉ. तिलकसिंह

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)		12 अंक
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(2 में से 1)	12 अंक
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)		12 अंक

M. A. – I Year Hindi Semester – II

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी सत्र - द्वितीय

(Choice Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

New Education Policy – 2020

नई शिक्षा नीति – 2020

शै. वर्ष 2023-24 से

Level	Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			Credit-	Lecture	Total Com. Credits	Degree
				Theory		Total				
				U.A.	C.A.					
	Second (II)									
	Subject		Major **Mandatory**							
	DSC	5	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (230104201)	60	40	100	4.00	60		
	DSC	6	भाषा और लिपि (230104202)	60	40	100	4.00	60		
	DSC	7	संगणकीय हिंदी – व्यावहारिक हिंदी (230104203)	60	40	100	4.00	60		
	DSC	8	मीडिया लेखन (230104204)	30	20	50	2.00	30		
	DSE	2.0	Mandatory Elective (Any One)							
6.0		2.1	अनुवाद कार्य : विविध आयाम (230104206)	60	40	100	4.00	60	22.00	PG Diploma (After 3 Yr Degree)
		2.2	पत्रकारिता लेखन : विविध आयाम (230104207)	60	40	100	4.00	60		
		2.3	फिल्म मीमांसा : विविध आयाम (230104208)	60	40	100	4.00	60		
		2.4	कबीर (230104209)	60	40	100	4.00	60		
	OJT / FP On Job Training / Filed Project	FD - 2	परियोजना कार्य (230104205)		100	100	4.00	60		

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - II** **Vertical :** DSC - 5 **Course Code:** (230104201) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना /Introduction:-

आधुनिक काल की निबंध यह विधा प्रौढ़ मस्तिष्क का अविष्कार मानी जाती है। गद्य की कसौटी होनेवाली यह विधा मानव चिंतन का अविष्कार होती है। इस विधा के अध्ययन से छात्रों में, विचार शीलता, तथा चिंतन वृद्धि होगी। अत: इस विधा का अध्ययन अनिवार्य है। साथ ही दृक-श्राव्य विधा नाटक मनोरंजन के साथ छात्रों को समाजाभिमूख बना सकती है। अत: इस विधा का अध्ययन भी छात्रों के लिए अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objective

1.हिंदी गद्य साहित्य से छात्रों को परिचित कराना।

2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कराना।

3. छात्रों में हिंदी गद्य विधा के प्रति रूचि पैदा कराना।

4. छात्रों को तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से रूबरू कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. हिंदी गद्य साहित्य से छात्र परिचित होंगे।

2. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन करेंगे।

3. छात्रो में हिंदी गद्य विधा से रूचि पैदा होंगे।

4. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान तथा विश्लेषण ।

2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।

3. दृक् श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।

.4 अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

पाठयपुस्तकें:-

1. **निबन्ध-मंजूषा (निबंध संग्रह) – सम्पादन, हिन्दी अध्ययन मंडल**
   मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग,इलाहबाद– 211001
2. **आठवाँ सर्ग (नाटक)– सुरेंद्र वर्मा**
   राधाकृष्ण प्रकाशनप्रा.लि., 2/38, अंसारी मार्ग, दरियागंज, दिल्ली - 3

अध्ययनार्थ विषय - **Weightage / बल**

इकाई –I Credit- 1 Lectures 15

1. निबंध परिभाषा, तत्व **Marks - 15**
2. उत्साह- आ. रामचंद्र शुक्ल
3. देवदारू – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. संस्कृति है क्या? – रामधारीसिंह 'दिनकर'
5. राष्ट्र का स्वरूप- वासुदेवशरण अग्रवाल

इकाई – II Credit- 1 Lectures 15

6. ठिठुरता हुआ गणतंत्र- हरिशंकर परसाई **Marks - 15**
7. मिले तो पछताये – इंद्रनाथ मदान
8. बुद्धिजीवी – शंकर पुणतांबेकर
9. पानी है अनमोल – श्रीराम परिहार

इकाई –III Credit- 1 Lectures 15

1. सुरेंद्र वर्मा: जीवन प्रस्तावना **Marks - 15**
2. सुरेंद्र वर्मा: साहित्य प्रस्तावना
3. नाटक का कथानक
4. नाटक के पात्र एवं चरित्र चित्रण

इकाई – IV Credit- 1 Lectures 15

1. नाटक के संवाद **Marks - 15**
2. नाटक में रंगमंच और अभिनेयता
3. नाटक में संकलनत्रय
4. नाटक की भाषा-शैली
5. नाटक का उद्देश्य एवं शीर्षक की सार्थकता

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास-डॉ. दशरथ ओझा
2. हिंदी निबंध का शैलीगतअध्ययन – डॉ. मु.ब. शहा
3. हिंदी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योगदान – डॉ. अनुपमा
4. आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता – डॉ. सत्यवती त्रिपाठी
5. साठोत्तरी हिंदी नाटकों में युगचेतना – डॉ.विजया गाढवे
6. हिंदी नाटक आजतक – डॉ. वीणा गौतम
7. आधुनिक हिंदी नाटक– गोविंद चातक
8. हिंदी नाटक: मिथक और यथार्थ- डॉ.रमेश गौतम
9. www.hindisahitya.com
10. www.bhartiyasahitya.com

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न.1 बहुविकल्पीय 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न. 2 चार-पाँच वाक्यों में उत्तर (6 में से 4)	12 अंक
(निबंधपर तीन, नाटकपर तीन प्रश्न)	
प्रश्न. 3 टिप्पणियाँ(4 में से 2) (निबंधप पर दो, नाटकपर दो)	12 अंक
प्रश्न. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ (निबंधपर)	12 अंक
प्रश्न. 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न (नाटकपर)	12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - II** **Vertical :** DSC - 6 **Course Code:** (230104202) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** भाषा और लिपि	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction:-

हिंदी भाषा भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जानेवाली भाषा है। जिसकाउद्भव और विस्तार भारत के बहुत बड़े प्रदेशों में हुआ है। हिंदी के अन्तर्गत कुल सत्रह उपभाषाएँ है तथा उसकी लिपि देवनागरी है। भारत के सिवा हिंदी विश्व के कई देशों में बोली और समझी जाती है। इसके चलते हिंदी का वैश्विक रूप सामने आ गया है। हिंदी भाषा और लिपि का गहराई से अध्ययन जरूरी है। जिसकी जानकारी प्रस्तुत पाठ्यकम से हो जाएगी।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार से अवगत कराना।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित कराना।
4. देवनागरी लिपि की उत्पति एवं उसकी विशेषताओं से अवगतकराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे।
2. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार को जान पाएंगे ।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित होंगे।
4. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति एवं उसकी विशेषताओं से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई-I हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि Credit--1 Lecture-15
Marks - 15

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ: वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ
2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ: पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण (हार्नले, ग्रियर्सन (अंतिमवर्गीकरण), सुनीतिकुमार चटर्जी और हरदेव बहारी द्वारा किया गया वर्गीकरण), आधुनिक आर्य भाषाओं का प्रस्तावना

इकाई - II हिंदी का भौगोलिक विस्तार Credit--1 Lecture-15
Marks - 15

1. पश्चिमी हिंदी
2. पूर्वी हिंदी
3. राजस्थानी हिंदी
4. बिहारी हिंदी
5. पहाड़ी हिंदी और उसकी बोलियाँ

इकाई-III हिंदी का भाषिक स्वरूप Credit--1 Lecture-15
Marks - 15

1. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था- स्वनिम की परिभाषा, स्वनिम निर्धारण, स्वनिम औरसहस्वन, (संस्वन) में अंतर
2. स्वनिम के भेद-खंड्य, खंडयेतर
3. हिंदी शब्द रचना- उपसर्ग, प्रत्यय, समास

इकाईIVलिपि विज्ञान Credit--1 Lecture-15
Marks - 15

1. लिपि का उद्भव और विकास, खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि का संक्षिप्तप्रस्तावना
2. देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता
3. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, देवनागरी लिपि में सुधार, देवनागरी लिपि कामानकीकरण

संदर्भ ग्रंथ :-

1. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी

2. आधुनिक भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी

3. भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा

4. हिंदी भाषा का इतिहास- डॉ. धीरेंद्र वर्मा

5. हिंदी भाषा उद्भव और विकास डॉ उदयनारायण तिवारी

6. हिंदी: उद्भव, विकास और रूप- डॉ. हरदेव बाहरी

7. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ- डॉ. नरेश मिश्र

8. हिंदी भाषा की लिपि संरचना- डॉ. भोलानाथ तिवारी

9. भाषा विज्ञान: सिध्दांत और प्रयोग-डॉ. अंबाप्रसाद सुमन

10. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र- डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी

11नागरी लिपि रूप और सुधार –ब्रिजमोहन

12. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण- डॉ. अंबादास देशमुख

13. भाषा विज्ञान -डॉ. तेजपाल चौधरी

14. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा -डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय

15. भाषा विज्ञान के विविध आयाम- डॉ. अंबादास देशमुख

प्रश्नपत्र कास्वरूपएवं अंकविभाजन

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1)	12 अंक
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - II** **Vertical :** DSC - 7 **Course Code:** (230104203) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** संगणकीय हिंदी और व्यावहारिक हिंदी	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction

आज के दौर में संगणक का महत्त्व बहुत बढ़ गया है। हर क्षेत्र में संगणक ने अपनी जगह बना ली है। इस युग को संगणक का युग कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। हिंदी ने भी संगणक का स्वीकार किया है। जिसमें कई सारे सॉफ्टवेयर, फॉंट्स उपलब्ध हो रहे हैं। विभिन्न कार्यालयों से लेकर निजी कामकाज में हिंदी का प्रयोग हो रहा है। अनेक हिंदी समाचारपत्र- पत्रिकाएँ कंप्यूटर पर ऑनलाइन उपलब्ध हो रहे हैं। अतः आज के युवाओं को संगणकीय हिंदी से परिचित होना चाहिए, जिस के माध्यम से उन में रोजगारपरक दृष्टि विकसित होगी और वे इस क्षेत्र में भी हिंदी का प्रचार-प्रसार करेंगे।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1. छात्रों को संगणकीय हिंदी के अनुप्रयोग से अवगत कराना।
2. छात्रों को मुद्रित माध्यम के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
3. छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो के लिए लेखन से अवगत कराना।
4. छात्रों को टेलीविजन के लेखन से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र संगणकीय हिंदी के अनुप्रयोग से अवगत होंगे।
2. छात्र मुद्रित माध्यम के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।
3. छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो लेखन से अवगत होंगे।
4. छात्र टेलीविजन लेखन से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ विषय **Weightage / बल**

इकाई - I संगणकीय हिंदी : सामान्य स्वरूप Credit- – I Lecture 15

1. संगणक: प्रस्तावना , क्षेत्र, रूपरेखा, उपयोग **Marks - 15**
2. इंटरनेट: उपकरणों का प्रस्तावना, प्रयोग विधि, प्रकार्यात्मक रख-रखाव
3. वेब पब्लिशिंग: प्रस्तावना एवं महत्त्व
4. इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप
5. लिंक ब्राउजिंग, ई- मेल प्रेषण एवं प्राप्ति, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाऊनलोडिंग एवं अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज, हिंदी वेबसाईड्स, हिंदी वेब पत्रिकाएँ पीपीटी, गूगल फॉर्म, गूगल शीट, गूगल मीट आदि का सामान्य प्रस्तावना।

इकाई – II इंटरनेटपत्रकारिता Credit- – I Lecture 15

1. इंटरनेट की ऐतिहासिक विकास यात्रा **Marks - 15**
2. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल : उपयोग और सीमा
3. इंटरनेट पत्रकारिता : हिंदी की स्थिति
4. इंटरनेटपर हिंदी का प्रयोग और भविष्य

इकाई – II व्यावहारिक हिंदी : लेखनकार्य Credit- – I Lecture 15

1. कथात्मकलेखन : पटकथा, धारावाहिक, कथेतरलेखन **Marks - 15**
2. विभिन्न टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए लेखन
3. पुस्तक समीक्षा (कहानी, कविता)
4. लोक व्यवहार की भाषा तथा लेखन साहित्य

इकाई – IV व्यावहारिक हिंदी : कौशल विकास Credit- – I Lecture 15

1. चित्र या वर्णन के आधार पर विज्ञापन लेखन **Marks - 15**
2. विषय के आधार पर रिपोर्ताज लेखन
3. पटकथा लेखन (कहानीसरोवर – संपादक शीलाटी. नायर इस पुस्तक की कथाओं के आधार पर पटकथा लेखन)
4. संवाद लेखन

संदर्भ ग्रंथ:-

1. कार्यालयीन कार्य बोध – हरिबाबू बंसल - प्रभात प्रकाशन 2005, चावड़ी बाजार, दिल्ली
2. प्रारूपण टिप्पण प्रूफ पठन – डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ विजय कुलेश्वर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रशासनिक एवं कार्यालय हिंदी - डॉ. राम प्रकाश एवं दिनेश कुमार त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी: विविध परिदृश्य - डॉ रमेश चंद्र त्रिपाठी एवं डॉ. पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर
5. व्यावहारिक राजभाषा - आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली
6. कंप्यूटर : क्यों-क्यों कैसे? राम बंसलविद्याचार्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. कंप्यूटर : सूचना प्रणाली - राम बंसलविद्याचार्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. संचार माध्यम लेखन – गौरीशंकर रैना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता – डॉ. दिनेश प्रसादसिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोदगोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक
प्रश्न – 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न – 3. टिप्पणियाँ(पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न – 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ	12 अंक
प्रश्न – 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - II** **Vertical :** DSC - 8 **Course Code:** (230104204) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** मीडिया लेखन	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 30 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 30 Marks **CA:-** 20 Marks

प्रस्तावना/ Introduction:-

मीडिया यानि मीडियम या माध्यम। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। इसी से मीडिया के महत्त्व का अंदाजा लगाया जा सकता है।समाज में मीडिया की भूमिका संवादवहन की होती है।वह समाज के विभिन्न वर्गों, सत्ता केन्द्रों,व्यक्तियों और संस्थाओं के बीच पुल का कार्य करता है।आधुनिक युग में मीडिया का सामान्य अर्थ समाचार-पत्र, पत्रिकाओं, टेलीविज़न, रेडियो, इंटरनेट आदि से लिया जाता है।किसी भी देश की उन्नति व प्रगति में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान होता है। मीडिया समाज का पुनर्निर्माण करता है। मीडियामें रोजगार के अनेक अवसर हैं । मीडिया लेखन, प्रकार, वर्तमान समय में उपयोगिता तथा इसका समाज के साथ संबंध है आदि को केंद्रमें रखकर मीडिया लेखन का अध्ययन किया जायगा है। ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective:-

1. मीडिया लेखन और प्रकार को छात्रों के सामने रखना ।
2. वर्तमान समय में मीडिया लेखन की उपयोगिता तथा इसका समाज के संबंध प्रस्तुत करना।
3. मीडिया लेखन सबंधी विविध आयामों को समझाना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes:-

1. मीडिया लेखन और प्रकारों से अवगत होंगे ।
2. वर्तमान समय में मीडियाउपयोगिता तथा इसका समाज के साथ क्या संबंध से परिचित होंगे ।
3. मीडिया लेखन सबंधी विविध आयामों परिचित होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process:-

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. क्षेत्र भेट

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई –I मीडिया का स्वरूप **Credit- – I Lecture 15**

Marks - 15

1) प्रिंट मीडिया

I.समाचारपत्र

II.पत्रिकाएँ

III.भीत्तिपत्रिका

IV .न्यूजलेटर, इश्तेहार

2) इलेक्ट्रोनिक मीडिया

I. रेडीयो

II. टी.वी.

III. सिनेमा

3) न्यू मीडिया

I.सोशलमीडिया

II.नागरीपत्रकारिता

III.वैकल्पिकमीडिया

इकाई – II मीडिया लेखन **Credit--1 Lecture 15**

Marks - 15

I. समाचारलेखन

II. संवादलेखन

III. विज्ञापनलेखन

IV. भेंट वार्तालेखन

संदर्भ ग्रंथ:-

1. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया – मधुकर लेले
2. जनसंचार: सिध्दांत और अनुप्रयोग – विष्णुराज गढिया
3. समाचारपत्र प्रबंधन – गुलाब कोठारी
4. इलेक्ट्रोनिक मीडिया – अजयकुमार सिंह
5. मीडिया अंडरवल्ड – दिलीप मंडळ
6. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचारपत्र – रवींद्र शुक्ला

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न 1 बहुविकल्पीय 06 प्रश्न	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक
प्रश्न 3 टिप्पणियाँ (3 में से 2)	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक
प्रश्न 5 दीर्घोत्तरी प्रश्न	(पूरे पाठ्यक्रम पर)	06 अंक

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur **M. A.– I (Hindi), Semester - II** **Vertical :** DSE – 2.1 **Course Code:** (230104206) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** अनुवाद कार्य : विविध आयाम	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction:-

अनुवाद विज्ञान भी है और कला भी। विश्वभर साहित्य आज अपनी भाषिक सीमा को तोड़कर दूसरी भाषा एवं प्रातों में बडे चाव से पढ़ा जा रहा है। इस में अनुवाद की अहम भूमिका है। जिसके माध्यम से हम किसी भी भाषा में अभिव्यक्त विचारों को आसानी से पढ़ एवं समझ सकते हैं। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र से लेकर आध्यात्मिक क्षेत्र में भी अनुवाद के माध्यम से भावनाओं का आदान-प्रदान आसानी से हो रहा है। इस का पूरा श्रेय अनुवाद को देना होगा । केवल मानवी अनुवाद ही नहीं बल्कि मशीनी अनुवाद में भी क्रांति हुई है। आपको जो भी जानकारी चाहिए वह एक क्लिक पर अनूदित रूप में मिल जाती है। किंतु इसकी भी अपनी सीमाएँ होती है। इस प्रश्नपत्र में छात्रों को अनुवाद के विभिन्न क्षेत्र की जानकारी के साथ-साथ वर्तमान परिस्थितियों में अनुवाद की स्थिति एवं गतिका भी अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. छात्रों को अनुवाद के विभिन्न आयामों की जानकारी देना।
2. छात्रोंको साहित्यिक अनुवाद और साहित्येत्तर क्षेत्र के अनुवाद से अवगत कराना।
3. छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कार्यालय तथा माध्यम क्षेत्र के अनुवाद के बारें मे जानकारी देना।
4. छात्रों को मशीनी अनुवाद से अवगत कराना।
5. प्रत्यक्ष रूप में छात्रों से अनुवाद कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes:-

1. अनुवाद के विभिन्न आयामों से छात्र परिचित होगें।
2. साहित्यिक और साहित्येत्तर क्षेत्र के अनुवाद से छात्र अवगत होंगे।
3. विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कार्यालय तथा माध्यम क्षेत्र के अनुवाद के बारें छात्रों को जानकारी प्राप्त होंगी।
4. छात्रों को मशीनी अनुवाद की जानकारी प्राप्त होंगी।
5. छात्र साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद करने में सक्षम होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process:-

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्यनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई- I Credit--1 Lecture 15

साहित्यिक अनुवाद – गद्यानुवाद और पद्यानुवाद **Marks - 15**

1. गद्यानुवाद - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध
2. पद्यानुवाद – काव्यानुवाद

इकाई - II Credit--1 Lecture 15

साहित्येतर अनुवाद **Marks - 15**

1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुवाद
2. प्रशासनिक अनुवाद
3. विधिक्षेत्र में अनुवाद
4. जनंसचार माध्यमों में अनुवाद

इकाई - III Credit--1 Lecture 15

1. विज्ञापनों का अनुवाद **Marks - 15**
2. मशीनी अनुवाद : संकल्पना और अवधारणा
3. मशीनी अनुवाद का विकास

इकाई - IV Credit--1 Lecture 15

1. मशीनी अनुवाद की प्रणालियाँ **Marks - 15**
2. भारत में प्रचलित मशीनी अनुवाद प्रणालियाँ
3. परियोजना कार्य : i) साहित्यिक अनुवाद ii) साहित्येतर अनुवाद iii) मशीनी अनुवाद

(10 पृष्ठों में, यह कार्य अंतर्गत मूल्यांकन / CA के लिए होगा)

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवादः सिद्धांत और प्रयोग- जी. गोपिनाथन, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद के भाषिक पक्ष- विभागुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा- डॉ.सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अनुवाद विज्ञान की भूमिका-कृष्णकुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
5. अनुवाद की प्रक्रिया तकनिक और समस्याएँ - डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
6. अनुवाद: अवधारणा एवं विमर्श- डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. अनुवाद अनुसृजन- सं. ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. अनुवाद एवं संचार- डॉ. पूरनचंद टंडन, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
9. व्यावहारिक अनुवाद- डॉ.अय्यर विश्वनाथ, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
10. अनुवाद का समाजशास्त्र- डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन, नई दिल्ली
11. प्रयोजन मूलक हिंदी की नई भूमिका- कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक
प्रश्न – 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न – 3. टिप्पणियाँ(पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न – 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ	12 अंक
प्रश्न – 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक

<table>
<tr><td rowspan="1">पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ
।। विद्यया संपन्नता ।।
NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)</td><td colspan="2">Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur
M. A.– I (Hindi), Semester - II
Vertical : DSE – 2.2
Course Code: (230104207)
Course Name: Hindi
Title of Paper: पत्रकारिता लखेन : विविध आयाम</td></tr>
<tr><td>*Teaching Scheme
Lectures: 60 Hours, 04 Credits
OR
Practical: 00 Hours, 00 Credit</td><td>With effect from June - 2023</td><td>*Examination Scheme
UA:- 60 Marks
CA:- 40 Marks</td></tr>
</table>

प्रस्तावना /Introduction:-

मुद्रण क्षेत्र में जो विकास हुआ है, इसके पीछे का कारण प्रेस का आविष्कार है। जिसने कम समय में मुद्रण की कई प्रतियाँ उपलब्ध करा दी। इसके कारण नये-नये समाचारपत्र निकलने लगे। हिंदी भाषा में भी कई सारे पत्र-पत्रिकाएँ निकलने लगी। मुद्रित माध्यम के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का भी आविष्कार हुआ, जिसमें रेडियो और दूरदर्शन प्रमुख है। इस पाठ्यक्रम में प्रिंट पत्रकारिता से लेकर रेडियो, दूरदर्शन के साथ सूचना और मानवाधिकार जैसे कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objective

1. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला के संदर्भ में जानकारी देना ।
2. मुक्त प्रेस, प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस, कानून के बारे में जानना ।
3. हिंदी के प्रमुख समाचारपत्र एवं पत्रिकाओं से अवगत कराना।
4. रेडियो तथा दूरदर्शन इन माध्यमों से परिचित कराना।
5. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना और मानवाधिकार से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला के संदर्भ में छात्र जानकारी प्राप्त करेंगे ।
2. मुक्त प्रेस, प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस,कानून के बारे में छात्र जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. हिंदी के प्रमुख समाचारपत्र एवंपत्रिकाओं से छात्र अवगत होंगे।
4. रेडियो तथा दूरदर्शन इन माध्यमों से छात्र परिचित होंगे।
5. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना और मानवाधिकार से छात्र अवगत होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई - । मुद्रित माध्यम स्वरूप एवं महत्त्व Credit--1 Lecture 15

1. प्रिंट पत्रकारिता का उद्भव और विकास **Marks - 15**
2. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ-शोधन, ले आऊट, पृष्ठ सज्जा
3. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

इकाई - ।। प्रेस की अवधारणा और हिंदी पत्रकारिता Credit--1 Lecture 15

1. मुक्तप्रेस की अवधारणा, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी **Marks - 15**
2. प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता
3. हिंदी के प्रमुख समाचारपत्र एवं पत्रिकाएँ

इकाई –III पत्रकारिता के विविध आयाम Credit--1 Lecture 15

1. पत्रकारिता का प्रबंधन **Marks - 15**
2. प्रशासनिक व्यवस्था
3. बिक्री तथा वितरण व्यवस्था .
4. पत्रकारों के विभिन्न संगठन

इकाई –IV इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता और सूचना अधिकार Credit--1 Lecture 15

1. रेडियो और दूरदर्शन की माध्यमगत विशेषताएँ एवं सीमाएँ **Marks - 15**
2. रेडियो तथा दूरदर्शन चैनलों का सामान्य प्रस्तावना
3. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता इतिहास और प्रश्न-कृष्णबिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहत इतिहास - अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. समकालीन पत्रकारिता मूल्यांकन और मुद्दे- राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार- डॉ. ठाकुरदत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पत्रकारिता संदर्भ कोश- डॉ. सुधीद्रकुमार, डॉ. रामप्रकाश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता – मीरा रानी पाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिंदी की सर्वोदय पत्रकारिता- डॉ. मृदुला गर्ग, विद्या प्रकाशन, कानपुर
9. पत्रकारिता की विभिन्न धाराएं – डॉ. निशांत सिंह, राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
10. पत्रकारिता का विकास – एन. सी.पंत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक
प्रश्न – 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न – 3. टिप्पणियाँ(पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न – 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ	12 अंक
प्रश्न – 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A.– I (Hindi), Semester - II** **Vertical :** DSE – 2.3 **Course Code:** (230104208) **Course Name:** Hindi **Title of Paper: फिल्म मीमांसा : विविध आयाम**	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना :-

फिल्म जनसंचार एवं मनोरंजन का महत्त्वपूर्ण माध्यम है। जितना प्रभावित समाज को साहित्य करता है उतनी ही फिल्म कराती है। प्रेमचंद जैसे रचनाकारों ने उसके महत्व को समझा । वह स्वयं साहित्य के साथ- साथ फिल्मों से भी जुड़ना चाहते। उनके अनुसार फिल्म के माध्यम से अनपढ़ एवं पढ़े लिखे लोगों तक पहुंचा जा सकता है। कमलेश्वर जैसे रचनाकार ने उसी बात को समझते हुए फिल्मों में समांतर आंदोलन चलाया और उसे समाज के साथ जोड़ा। आज भी कई सारी फिल्में सामाजिक दायित्वों को निभाती है। हिन्दी साहित्य पर ऐसे कई फिल्मों का निर्माण हुआ जिन्होंने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रश्नों को समाज के सामने रखते हुए उसे दिशा दिग्दर्शन भी किया। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों को लेकर फिल्मों को अध्ययन के लिए रखा गया है।हिंदी साहित्य की विविध विधाओं पर बनी फिल्मों का अवलोकन करना इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Objectives of the Course:-

1. हिंदी फिल्म का उद्भव और विकास जानना ।
2. फिल्म निर्मिति प्रक्रिया एवं पात्रों का प्रस्तावना प्राप्त करना।
3. फिल्मों के सामाजिक विभिन्न पक्षों को समझना।
4. छात्रों को फिल्मों में प्रयुक्त उपकरणों के महत्व से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes of the Course):-

1. छात्र हिंदी फिल्म का उद्भव और विकास को समझेंगे।
2. छात्र फिल्म निर्मिति प्रक्रिया एवं पात्रों से परिचित होंगे।
3. छात्र फिल्मों में आए सामाजिक विभिन्न पक्षों को समझेंगे।
4. छात्र नई कलादृष्टि से परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति:-

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ विषय:- **Weightage / बल**

इकाई - I Credit--1 Lecture 15

1. हिन्दी फिल्म का उद्भव और विकास **Marks - 15**
2. फिल्म निर्मिति प्रक्रिया
3. फिल्मी कथा और उपकरण का अंत: संबंध

इकाई - II सूरज का सातवाँ घोडा (श्याम बेनेगल, निर्देशक) Credit--1 Lecture 15

1. पृष्ठभूमि एवं निर्मिति प्रक्रिया **Marks - 15**
2. संवाद एवं पात्र योजना
3. समसामयिकता
4. सामाजिक उपादेयता

इकाई – III रजनी गंधा - (बासु चटर्जी, निर्देशक) Credit--1 Lecture 15

1. पृष्ठभूमि एवं निर्मिति प्रक्रिया **Marks - 15**
2. संवाद एवं पात्र योजना
3. समसामयिकता
4. सामाजिक उपादेयता

इकाई – IV माँझी – द माऊंटन मैन (केतन मेहता, निर्देशक) Credit--1 Lecture 15

1. पृष्ठभूमि एवं निर्मिति प्रक्रिया **Marks - 15**
2. संवाद एवं पात्र योजना
3. समसामयिकता
4. सामाजिक उपादेयता

संदर्भ सूची :-

1. सिनेमा और संस्कृति – राहीमासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. बहुआयामी हिन्दी सिनेमा भाग – 1 - डॉ. लखन रघुवंशी, डॉ. सोनाली नरगुंदे, रिगी पब्लिकेशन, खन्ना, पंजाब।
3. भारतीय सिनेमा का सफरनामा – सं. पुनीत बिसारिया, अटलांटिक पब्लिशर्स अँड डिस्ट्रिब्यूटर्स, दिल्ली।
4. नये दौर का नया सिनेमा – प्रियदर्शन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी सिनेमा एक अध्ययन – राजेशकुमार, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. बॉलीवुड पाठ विमर्श के संदर्भ में – ललित जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. विषय चलचित्र – सत्यजितरे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक
प्रश्न – 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न – 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न – 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ	12 अंक
प्रश्न –5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A.– I (Hindi), Semester - II** **Vertical :** DSE – 2.4 **Course Code:** (230104209) **Course Name:** Hindi **Title of Paper: कबीर**	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 60 Hours, 04 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction

कबीर प्रगतिशील चेतना से युक्त एवं विद्रोही कवि थे। उनका व्यक्तित्व क्रांतिकारी था। धर्म और समाज के क्षेत्र में व्याप्त पाखंड कुरीतियों रूढ़ियों एवं अंधविश्वासों की उन्होंने खूब आलोचना की और ऊँच-नीच , छुआ-छुत जैसी सामजिक बुराइओं को दूर करने के लिए महत प्रयास किया था । कबीर ब्रह्म से शुरू होकर जीव तक जाते हैं या जीव से शुरू होकर ब्रह्म तक यह कहना कठिन है। लेकिन उनके काव्य में ब्रह्म, जीव और जगत के बीच पारस्परिक दौड़ बहुत अधिक है। कबीर का जीव माया रहित होकर ही ब्रह्म हो जाता है। जगत भी जीव और ब्रह्म से पृथक सत्ता नहीं है। संत कबीर ने अनुभूति को अपनीभाषा और शैली में व्यक्त किया । कबीर का सूक्ष्म अध्ययन इसमे होगा ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य / Course objective

1. कबीर केसामजिक विचारों से अवगत कराना।
2. कबीर के धार्मिक विचारों से परिचित कराना।
3. कबीर के दार्शनिक विचारों को समझाना।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझाना।
5. कबीर भाषा एवं शैली समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम/ Course Learning Outcomes

1. कबीर के सामाजिक विचारों से अवगत होंगे ।
2. कबीर के धार्मिक विचारों से परिचित होंगे ।
3. कबीर के दार्शनिक विचारों को समझपाएंगे ।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझेंगे ।
5. कबीर की भाषा एवं शैली से अवगत होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया/ Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

पाठ्यपुस्तक:

कबीर – हाजरीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,सन-2008.

Weightage / बल

इकाई -I **Credit--1 Lecture 15**

1. कबीर का कृतित्व **Marks - 15**
2. कबीर के राम
3. कबीर के दार्शनिक विचार- ब्रह्म, जीव, जगत, माया, मोक्ष
4. कबीर की विद्रोही भावना
5. कबीर की भाषा एवं शैली

इकाई –II १० पद **Credit--1 Lecture 15**

Marks - 15

(पद क्र.101,102,103,104,105,106,107,108,109,110)

इकाई-III १० पद **Credit--1 Lecture 15**

Marks - 15

(पद क्र.111,112,113,114,115,116,117,118,119,120)

इकाई-IV १० पद **Credit--1 Lecture 15**

Marks - 15

(पद क्र.149,152,153,155,158,162,163,169,170,176)

संदर्भ ग्रंथ

1. कबीर –हाजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सन-200८.

2. कबीरवाणी- डॉ भागवत स्वरुप मिश्र, डॉ सरोजनी कुलश्रेष्ठ, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा

३. कबीर ग्रंथावली – डॉ शामसुन्दर दास

४. कबीरदास विविध आयाम – संपा. प्रभाकर क्षेत्रीय

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक
प्रश्न – 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न – 3. टिप्पणियाँ(पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न – 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ	12 अंक
प्रश्न – 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ॥ विद्यया संपन्नता ॥ NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A.– I (Hindi), Semester - II** **Vertical :** OJT / FP **Course Code:** (230104205) **Course Name:** Hindi **Title of Paper:** On job Training / Filed Project	
***Teaching Scheme** **Lectures:** 00 Hours, 00 Credits **OR** **Practical:** 60 Hours, 04 Credit	**With effect from** June - 2023	***Examination Scheme** **UA:-** 00 Marks **CA:-** 100 Marks

प्रस्तावना / Introduction:-

छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक पक्ष का प्रत्यक्ष ज्ञान होना आवश्यक है । इसिलिए हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को प्रशिक्षण देना जरुरी है । जनसंचार माध्यमो में छात्रोंकी भाषिक कुशलता आज की आवश्यकता है, हिंदी के छात्रों में इसी कौशलवृद्धि हेतु इन माध्यमो में प्रशिक्षण देनाभी अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ - साथ साक्षात्कार, विज्ञापन, भाषिक सर्वेक्षण आदि केप्रत्यक्ष प्रशिक्षण से छात्र लाभान्वित होंगे ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1. छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक रूप से परिचित करना ।
2. छात्रों को जनसंचार माध्यमो में प्रयुक्त हिंदी से परिचित करना।
3. छात्रोंमें भाषिक कौशल विकसित करना ।
4. सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति से छात्रों को अवगत करना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र हिंदी के व्यावहारिक रूप से परिचित होंगे।
2. छात्रों जनसंचार माध्यमो में प्रयुक्त हिंदी से परिचित होंगे।
3. छात्रों में भाषिक कौशल विकसित होंगे।
4. सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति से छात्र अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1.प्रशिक्षण 2. अभ्यास

3. सर्वेक्षण 4. साक्षात्कार

5. क्षेत्रीय भेंट

सूचनाएँ-

1. छात्रों को OJT या PF (On job Training / Filed Project) किसी एकपर परियोजना कार्य पूरा कराना है |

2. छात्रों को प्रशिक्षण पूरा करके सबंधित संस्था का प्रमाणपत्र एवं किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा ।

3. प्रशिक्षण का समय कम से कम 1 माह (लगभग 60 घंटे) होना आनिवार्य है ।

4.जो छात्र परियोजना कार्य पूरा नहींकरेगावहवर्ष इस प्रश्नपत्र में अनुत्तीर्णहोगा ।

OJT/ on Job Training /**अंत:कार्य प्रशिक्षण /काम के दौरान प्रशिक्षण**

हिंदी विषय के छात्रों के लिए ऑन-जॉब ट्रेनिंग में निम्नलिखित चीजें शामिल की जा सकती हैं:-

1. शिक्षण विधियाँ:-विभिन्न शिक्षण विधियों और उपायों का अध्ययन कराया जा सकता है ताकि वे अपने छात्रों को बेहतर तरीके से सिखाने में सक्षम हों।

2. कक्षा प्रबंधन:-छात्रों की समृद्धि के लिए कक्षा का प्रबंधन कैसे किया जा सकता है, इस पर ध्यान दिया जा सकता है।

3. पाठ योजनाएँ:-विभिन्न विषयों की पाठ योजनाएँ तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में बताया जा सकता है।

4. छात्र सहायता:-विभिन्न प्रकार की छात्रों की सहायता करने के तरीकों का अध्ययन किया जा सकता है, जैसे कि विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों की सहायता।

5. संसाधन विकास:-उपयुक्त पाठ्यक्रम सामग्री और संसाधनों का विकास कैसे किया जा सकता है, इस पर विचार किया जा सकता है।

6. विशेषाधिकार शिक्षा:-विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए उपयुक्त शिक्षा की प्रक्रिया के बारे में जागरूकता दी जा सकती है।

7. सूचना प्रौद्योगिकी:-शैक्षिक तकनीकों और उपकरणों का सही तरीके से प्रयोग करने का अध्ययन किया जा सकता है।

8. शैक्षिक निगरानी:-छात्रों की प्रगति की निगरानी कैसे की जा सकती है, इस पर विचार किया जा सकता है।

9. विद्यालय और समुदाय संबंध:- विद्यालय और समुदाय के साथ सहयोगपूर्ण संबंध कैसे बनाए जा सकते हैं, इस पर विचार किया जा सकता है।

10. विभिन्न शैक्षिक स्थितियों का सम्मलित अध्ययन:-विभिन्न छात्रों की स्थितियों के बारे में जानकारी और समझने की कौशल को विकसित करने का प्रयास किया जा सकता है।

प्रत्यक्ष कार्य :-

11. समाचारपत्र कार्यालय या प्रेस में 1 माह (लगभग 60 घंटे) प्रशिक्षण पूरा करके सबंधित संस्था का प्रमाणपत्र एवं किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा ।
12. स्थानीय साप्ताहिक में 1 माह (लगभग 60 घंटे) प्रशिक्षण पूरा करके सबंधित संस्था का प्रमाणपत्र एवं किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा ।
13. बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल कार्यालय, दूरसंचारविभाग ,जीवनबिमा निगम,आकाशवाणी ,एफ . एम. रेडियो स्टेशन ,विज्ञापन एजेंसी ,साहित्यिक पत्रिका के कार्यालय ,प्रसिद्ध पुस्तक प्रकाशक, एन.टी.पी.सी.कार्यालय ,राजभाषा विभाग में 1 माह (लगभग 60 घंटे) प्रशिक्षण पूरा कर के सबंधित संस्था का प्रमाणपत्र एवं किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा ।

PF (Filed Project) क्षेत्र परियोजना

हिंदी विषय में लघु शोध परियोजना के लिए निम्नलिखित कुछ विषयों का चयन किया जा सकता है:-

1. भाषा और समाज:- भाषा के विभिन्न पहलुओं का समाज में प्रभाव, भाषा और सामाजिक बदलाव, भाषा की भूमिका आदि पर अध्ययन कर सकते हैं।

2. लोककथा और कहानी:- भारतीय लोककथाओं या कथाओं का अध्ययन करके उनके साहित्यिक और सामाजिक पहलुओं का अनुसंधान किया जा सकता है।

3. भाषा और मीडिया:- मीडिया के माध्यम से भाषा के प्रयोग का प्रभाव, भाषा के उपयोग में बदलाव, और भाषा की अन्यता पर अध्ययन किया जा सकता है।

4. भाषा और संवाद:-भाषा के माध्यम से संवाद की प्रक्रिया, भाषा के उपयोग में संवाद की भूमिका, और संवाद की विविधता पर अध्ययन किया जा सकता है।

5. भाषा और साहित्यिक संरचना:-भाषा के प्रयोग में साहित्यिक संरचना की भूमिका, उपयोग की जाने वाली शैली और तकनीकों का अध्ययन किया जा सकता है।

6. भाषा और भाषा शिक्षण:-भाषा शिक्षण के तरीके, भाषा सीखने की प्रक्रिया, और भाषा सिखाने में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों का अध्ययन किया जा सकता है।

7. भाषा और सांस्कृतिक आयाम:-भाषा के सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन, भाषा का सांस्कृतिक बदलाव, और भाषा के साथ संबंधित संस्कृतिक मूल्यों का मूल्यांकन किया जा सकता है।

प्रत्यक्ष कार्य :-

8.मराठी एवं हिंदी संत साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन कर लघु प्रबंध प्रस्तुत करना । इसके लिए एक अध्यापक मार्गदर्शक होना आवश्यक है ।

9.स्थानीय भाषाओं का अध्ययन कर लघु प्रबंध प्रस्तुत करना । इसके लिए एक अध्यापक मार्गदर्शक होना आवश्यक है ।

10.हिंदी-मराठी/ कन्नड/अन्य भाषाओँ के मुहावरे,लोकोक्तियाँऔर कहावतों (कम से कम 100) का तुलनात्मक अध्ययन कर लघु प्रबंध प्रस्तुत करना ।

11.हिंदी उच्चारण एवं लेखन (वर्तनी) का सर्वेक्षण (उच्च माध्यमिक एवं स्नातक स्तर) कर लघु प्रबंध प्रस्तुत करना ।

12.स्थानीय रचनाकार एवं लोक कलाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तैयार करना। (किसी भी भाषा का हो लेकिन लघु प्रबंध हिंदी भाषा में होना अनिवार्य) साक्षात्कार लेकर लिखित एवं ऑडियो –विडिओं के रूप में जमा करना ।

13.स्थानीय लोकगीतों का संग्रह लिखित एवं ऑडियो – विडिओ के रूप में जमा करना और महाविद्यालय को प्रस्तुत करना ।

■■■■■